Dossier No.- 02052024a

REC Limited
Media Coverage
16 May 2024

CMD
Interview With
CNBC Awaaz Transcription

एंकर -

ग्रॉस एनपीए में भी करीब-करीब हल्का सुधार रहा। नेट इंटरेस्ट मार्जिन भी बढ़कर करीब तीन प्वाइंट छह परसेंट के आसपास आए हैं। नंबर से बातचीत करने के लिए हमारे साथ जुड़ रहे कंपनी के सीएमडी विवेक कुमार देवगन सर, विवेक सर नमस्कार, स्वागत है कार्यक्रम में, आपसे बातचीत करूंगा, लेकिन आपसे बातचीत करने से पहले जरा आरईसी का एक साल का चार्ट लेकर आइए। उसके बाद मैं विवेक सर से बातचीत शुरू करूंगा। एक साल के अंदर आरईसी लिमिटेड के स्टॉक में जबरदस्त तेजी आई है और आप किसी भी पायदान पर, किसी भी समय पर अगर इस स्टॉक में घुसे होंगे तो भी आपको मिनिमम कम से कम 50 परसेंट गेन तो आया ही होगा। 300 पर्सेंट का रिटर्न एक साल में स्टॉक दे चुका है। विवेक सर, ऐसा क्या कर रहे हैं आप लोग कि 300 पर्सेंट का रिटर्न स्टॉक देकर गया है। इतनी जबरदस्त परफॉर्मेंस कंपनी के नंबर्स में भी है और शेयर होल्डर्स को भी आपने रिवॉर्ड किया है। सो क्या इंटरनल, किस तरह से आप लोग कामकाज कर रहे हैं? ऐसा क्या बदलाव हो रहा है, कंपनी के अंदर?

सीएमडी -

दो-तीन चीजें हुई है। आरईसी में सबसे पहले क्लियर कट बिजनेस स्ट्रैटेजी। आरईसी रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन के नाम से जाना जाता था। अब हमने इसका फोकस चेंज करके रिन्यूएबल एनर्जी फोकस कंपनी कर दिया है। दूसरा कि असेट मैनेजमेंट ने हमारा पिछले साल ग्रोथ 13% हुआ था, इस साल 17% हुआ है। हमने एक लॉन्ग टर्म विजन रखा है कि अगले 5 से 6 साल में हमें अपना असेट मैनेजमेंट डबल करना है। अभी लगभग 5,00,009 हज़ार करोड़ है, जिसे हम बढ़ाकर 10 लाख करोड़ कर देंगे। हमने क्लियर कट बिजनेस स्टडीज बनाई है। दूसरा है कि हमारा भी रिन्यूएबल एनर्जी पोर्टफोलियो लगभग 35,000 करोड़ है। उसको हम उसमें 10 गुना वृद्धि करके लगभग 3 लाख करोड़ करना चाह रहे 2030 तक। साथ ही साथ हमारे कन्वेंशनल जनरेशन डिस्ट्रीब्यूशन और ट्रांसमिशन के क्षेत्र में पावर सेक्टर में काफी सुधार आया है। इंट्रोडक्शन ऑफ जो रिवार्ड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम आई थी और लेट पेमेंट सरचार्ज रूल आया है। इससे डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी के वित्तीय स्थिति में काफी सुधार हुआ है। उसके कारण जेनको और पासबुकों के भी वित्तीय स्थिति में सुधार हुआ है तो ओवरऑल पावर सेक्टर में ग्रोथ नजर आ रहा है। पावर डिमांड बढ़ रही है। पिछले साल आठ पर्सेंट बढ़ा था इस साल अप्रैल माह में अप्रैल 2024 में पावर डिमांड 11% की बढ़ोतरी हुई है। तो यह सब देखते हुए ओवरऑल ईकोसिस्टम में काफी इंप्रूवमेंट है और हमारे क्लियर बिजनेस स्ट्रैटजी को हमारे इन्वेस्टर्स ने सपोर्ट किया है।

एंकर -

तो विवेक सर, सब सेग्मेंट वाइज अगर मैं जाता हूं, तो आप खुद भी कह रहे हैं कि रिन्यूएबल स्पेस के ऊपर एक बहुत बड़ा फोकस कंपनी है, जो कंपनी के नंबर्स में क्यू फोर के अंदर रिफ्लेक्ट भी हो रहा है। बहुत स्ट्रॉन्ग मोमेंटम है कि क्यू बेसिस पर वहां पर और जेनरेशन ट्रांसमिशन थोड़ा सब ड्यूड है भले, लेकिन वहां पर भी ग्रोथ है। सो गोइंग फॉर्वर्ड जो की ग्रोथ ड्राइवर रहने वाले हैं। यहां से अगले फाइनेंशियल ईयर के लिए। तो क्या मैं उसमें रिन्यूएबल को पूरा तवज्जो दोगे? आप लोग या बाकी दोनों एरियाज जो हैं उनके ऊपर भी अच्छा थ्रस्ट मानने वाले मानकर चलें, आने वाले समय में।

सीएमडी -

दोनों एरिया में फोकस रहेगा। जैसे पिछले साल की बात करें हम। हमने पिछले साल 1,36,000 करोड़ का सैंक्शन किया। रिन्यूएबल एनर्जी में अक्रॉस द स्पेक्ट्रम है। जैसे देखा जाये तो हमने लार्ज हाइड्रो के 32450 करोड़ की वित्तीय

स्वीकृति दी थी। फॉलो बाई पम्प स्टोरेज प्रोजेक्ट जिसमें हमने 28, 304 करोड़ की स्वीकृत दी। फिर सोलर मॉड्यूल मैन्युफैक्चरिंग के लिए 21,565 करोड़ की स्वीकृति दी। सोलर प्रोजेक्ट के लिए लगभग 21,000 करोड़ की स्वीकृत दी। और ग्रीन हाईड्रोजन, ग्रीन अमोनिया में हमने 8000 करोड़ की सिटीज इलेक्ट्रिक मोबिलिटी में 7200 करोड़ की सिटी दी है। तो आप देखें कि हम ने पूरा अक्रॉस स्पेक्ट्रम कवर किया है रिन्यूएबल एनर्जी फोकस में। परंतु डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में विद रिबाउंड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम और लेट पेमेंट सरचार्ज के आने के बाद पिछले दो वर्षों में काफी सुधार आया है। तो इस वर्ष और अगले दो तीन वर्षों में डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में आईडीएस के तहत लॉस रिडक्शन काफी कैपेक्स काम होने हैं। प्रीपेड स्मार्ट मीटर का इंस्टॉलेशन होना है। साथ ही साथ मिनिस्ट्री ऑफ पावर ने प्रोजेक्शन दिया है कि कंट्री को लगभग नाइंटी फोर गीगावाट कोल बेस कैपेसिटी की आवश्यता होगी। अगले आठ सालों में 2032 तक तो कोल बेस्ड थर्मल पावर प्लांट भी ब्राउनफील्ड सेक्टर में आने की उम्मीद है। इस कारण हमारा ग्रोथ न केवल रिन्यूबल एनर्जी क्षेत्र में बल्कि कन्वेंशनल जनरेशन डिस्ट्रीब्यूशन के क्षेत्र में भी काफी होने की उम्मीद है।

एंकर -

विवेक में एयूएम के नंबर देख रहा था। एक तरफ जनरेशन के नंबर अच्छे हैं। रिन्यूएबल के नंबर अच्छे हैं। साथ ही टीएंडडी के नंबर बहुत स्ट्रॉन्ग देखने को मिले। वहां पर एवीएन साइड पर प्लस। अगर लोन मिक्स की बात करूं, तो स्टेट सेक्टर की ग्रोथ के सामने प्राइवेट सेक्टर डिस्ट्रीब्यूशन बहुत स्ट्रॉन्ग आता दिखाई पड़ा। वहां पर नंबर वायु आई, क्योंकि दोनों बहुत अच्छे हैं। तो क्या मेरा ऑब्जर्वेशन सही है कि जो बाहर से ऑर्डर है अदर स्टेट, वह बहुत अच्छे आ रहे हैं। अदर प्राइवेट पीएसयू वह बहुत अच्छे आ रहे हैं। दूसरा, टीएंडडी और स्मार्ट मीटरिंग। इसको लेकर बहुत काम हो रहा है। तो क्या इस पर भी ग्रोथ एक्सपेक्ट करें? आने वाले समय में।

सीएमडी -

देखिए जो कंट्री का जो डिस्ट्रीब्यूशन नेटवर्क इंफ्रास्ट्रक्चर है, वह काफी 40 से 50 साल पुराना है। रिबाउंड डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर स्कीम तो अगले दो तीन साल रहेगी। उसके पश्चात भी सभी डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को अपना जो कंडक्टर है, पोल्स है, ट्रांसफार्म है, सब को उसका अपग्रेडेशन करनी पड़ेगी तो अगले 10 से 15 सालों में फ्यूज कैपेक्स का रिक्वायरमेंट है। डिस्ट्रीब्यूशन सेक्टर में और ट्रांसमिशन सेक्टर में जो रिन्यूबल एनर्जी जो इंटरमीडिएट होता है अपने नेचर में, उसके लिए हमें स्टोरेज सॉल्यूशन की जरूरत पड़ेगी। चाहे वह पंप स्टोरेज हो, बैटरी एनर्जी स्टोरेज हो या हाइड्रोजन। फ्यूल सेल पर भी काफी काम हो रहा है। इवैल्यूएशन ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी के लिए ग्रीन कॉरिडोर के रूप में ट्रांसमिशन का भी काफी स्कोप है। तो यह सभी क्षेत्रों में बढ़ोतरी होगी और विशेषकर जो कोल बेस कैपेसिटी है, जो बेस लोड है, वह हमारे कोल बेस पावर थर्मल पावर प्लांट से आता है। उसमें लगभग में नाइंटी फोर गीगावाट कैपेसिटी का एडिशन करना है। अगले आठ वर्षों में उसका क्योंकि कोल बेस कैपेसिटी का जो थर्मल पावर प्लांट आते हैं, उनको लगाने में लगभग 5 से 6 साल लगते हैं। तो इसके लिए सैंक्शन होगा फोर गीगावाट कैपेसिटी का। अगले दो तीन सालों में ही इसका स्वीकृति। वित्तीय स्वीकृति देनी पड़ेगी ताकि उसका इंप्लीमेंटेशन अगले 5 से 6 सालों में हो सके।

एंकर -

ओके, विवेक सर, दो यह बहुत ज्यादा अटकलें हैं। खाली मतलब मेरी क्यूरियॉसिटी इसकी। वैसे मैं पूछ रहा हूं कि

क्योंकि बढ़िया तेजी स्टॉक में देखने को मिली है तो क्या कोई ओएफएस या कोई फंड? नो डायल्यूट काइंड ऑफ, जो कहीं से आने की उम्मीद हम लगाकर चले? या बहुत बड़े रिवॉर्ड शेयरहोल्डर्स को मिला है तो गवर्नमेंट भी कुछ हद तक इसको इनकैश करने की सोच सकती है। तो क्या ऐसी भी कुछ अटकलें लगाकर चली जा सकती है अभी?

सीएमडी -

हमारा प्रयत्न है कि जो सारे स्टेक होल्डर्स को हम सूटेबल रिवॉर्ड करें, जो कि कंपनी का नॉमिनल ग्रोथ हुआ है और हाईएस्ट प्रॉफिट आफ्टर टैक्स 14 हज़ार 19 करोड़ का हमें प्रॉफिट आफ्टर टैक्स मिला पिछले वर्ष में और यह उत्तरोत्तर इसमें बढ़ोतरी होने की संभावना है तो हम सभी स्टेक होल्डर्स का ध्यान रखेंगे। सभी स्टेक होल्डर्स को रिवॉर्ड करें, इसके लिए भी हमारे बोर्ड और डायरेक्टर ने हमें अधिकृत किया है, जो 30 अप्रैल की बैठक पीछे चले।

एंकर -

बहुत शुक्रिया। वे अक्सर एक तो आपको हमारे साथ मौजूद रहने के लिए और डीटेल से बातचीत करने के लिए और साथ ही साथ एक बार फिर से बहुत-बहुत शुभकामनाएं। रिस्पांसिबिलिटी बढ़ गई होगी आपके ऊपर। मैं समझ सकता हूं कि लगातार अच्छी तेजी आई है। स्टॉक में तो उम्मीदें भी ज्यादा शेयरहोल्डर्स आपसे लगा रहे होंगे, लेकिन बहुत बहुत शुक्रिया सर अपना समय देने के लिए और हमसे बातचीत करने के लिए। आप सुन रहे थे कंपनी के सीएमडी विवेक कुमार देवांगन सर को जोकि आरईसी के नंबर्स पर हमसे चर्चा कर रहे थे।

***